ROCK GOLD ACADEMY

CLASS - 6th

SUB - HINDI I

Ch- 1 → आगे बढ़े चलेंगे

कविता

यदि रक्त बूँद भर भी होगा कहीं बदन में।
नस एक भी फड़कती होगी समस्त तन में।
यदि एक भी रहेगी बाकी तरंग मन में।
हर एक साँस पर हम आगे बढ़े चलेंगे।
वह लक्ष्य सामने है पीछे नहीं टलेंगे।।

मंजिल बहुत बड़ी है पर शाम ढल रही है।
सरिता मुसीबतों की आग उबल रही है।
तूफ़ान उठ रहा है, प्रलयाग्नि जल रही है।
हम प्राण होम देंगे, हँसते हुए जलेंगे।
पीछे नहीं टलेंगे, आगे बढ़े चलेंगे।।

अचरज नहीं कि साथी भग जाएँ छोड़ भय में।
घबराएँ क्यों, खड़े हैं भगवान जो हृदय में।
धुन ध्यान में धँसी है, विश्वास है विजय में।
बस और चाहिए क्या, दम एकदम न लेंगे।
जब तक पहुँच न लेंगे, आगे बढ़े चलेंगे।।

कवि → रामनरेश त्रिपाठी

निर्देश :— यह कार्य विषय-सूची बनाते हुए अपनी कार्य-पत्रिका अर्थात कोपी में लिखिए।
लेख- साफ और सुंदर होना चाहिए।

ROCK GOLD ACADEMY
CLASS- 6th
SUB- HINDI I
Ch- 1 → आगे बढ़े चलेंगे

कवि परिचय — रामनरेश त्रिपाठी

'रामनरेश त्रिपाठी' (4 मार्च, 1889 - 16 जनवरी, 1962) हिंदी भाषा के प्रसिद्ध लेखक थे। उन्होंने कविता, कहानी, उपन्यास, जीवनी, संस्मरण, बाल साहित्य आदि सभी विधाओं में लेखन किया। अपने 72 वर्ष के जीवन काल में उन्होंने लगभग सौ पुस्तकें लिखीं। 'बा और बापू' उनके द्वारा लिखा गया हिंदी का पहला संकांकी नाटक है।

शब्द	अर्थ
रक्त	खून
लक्ष्य	मंजिल
सरिता	नदी
प्रलयाग्नि	विनाश लाने वाली अग्नि
होम	हवन, जलना

कठिन शब्द

1. बूँद
2. समस्त
3. रक्त
4. तरंग
5. साँस
6. लक्ष्य
7. मंजिल
8. सरिता
9. मुसीबतों
10. तूफ़ान
11. प्रलयाग्नि
12. प्राण
13. होम
14. अचरज
15. भगवान
16. हृदय
17. विश्वास
18. विजय
19. धुन
20. घबराएँ

CH- 1- आगे बढ़े चलेंगे।

रचनात्मक गतिविधि

कार्य - कौशल

प्रश्न 1— यह कविता एक प्रयाण—गीत है। प्रयाण गीत का अर्थ होता है— सैनिक अभियान के समय गाए जाने वाले गीत। ये वीरता के भाव वाले उल्लास पूर्ण गीत होते हैं। इन्हें युद्ध के लिए जाते समय या किसी प्रकार के संघर्ष के लिए आगे बढ़ने के समय मिलकर गाते चलते हैं।

इस प्रकार से आप अपनी पसंद का एक प्रयाण-गीत खोजकर या स्वयं बनाकर लिखिए।

उ०-